



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY.

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 509] नई दिल्ली, बोरवार, अश्विन 6, 1988/आश्विन 14, 1910  
No. 509] NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 6, 1988/ASVINA 14, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

## पर्यावरण, वन और अन्तर्जातीय विभाग

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1988

उत्तर प्रदेश में दून घाटी में उद्योग लगाने, खनन कार्य करने तथा अन्य विकासीय कार्यों पर प्रतिबंध लगाने के लिये पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा-3(2) (5) तथा पर्यावरण (संरक्षण) नियमावली, 1986 के नियम 5(3), (क) के तहत अधिसूचना

का.आ. 923(अ).—चूंकि उत्तर प्रदेश में दून घाटी में औद्योगिकीकरण, खनन कार्यों, वन कटाई, प्रनियंत्रित पर्यटन गतिविधियों, अत्यधिक बरफ आदि के कारण काफी अधिक पर्यावरणीय आक्रमण हुआ है;

चूंकि पर्यावरणीय प्रबंध के लिये मार्ग-दर्शी मिश्रित निर्धारित करने तथा पारिस्थितिकीय को कम से कम क्षति पहुंचाकर दून घाटी का आर्थिक विकास सुनिश्चित करने के लिये, केन्द्र सरकार ने अगस्त, 1981 में दून घाटी बोर्ड का गठन किया था और चूंकि बोर्ड ने अपनी छठी बैठक में यह निष्कारण का था कि दून घाटी को पारिस्थितिकीय दृष्टि से कमजोर क्षेत्र घोषित किया जाना चाहिए और पर्यावरण पर हानिकारक प्रभाव हटाने

वाली कतिपय गतिविधियों पर निषेध/प्रतिबंध लगाने के लिये पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा-3(2)(5) के तहत अधिसूचना जारी करने पर विचार किया जाना चाहिए।

अतः अब दून घाटी के कमजोर पारिस्थितिकीय को देखते हुए तथा यह सुनिश्चित करने के लिये कि विकासीय गतिविधियां पर्यावरणीय संरक्षण के मिश्रितों के अनुकूल हों, केन्द्र सरकार को ऐसा प्रतीत होता है कि पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा-3 उपधारा (2) खंड (5) के तहत दून घाटी जो कि उत्तर में मसूरी पर्वत श्रेणी, उत्तर-पूर्व में निम्न हिमालय पर्वत श्रृंखला से दक्षिण-पश्चिम में शिवालिक पर्वत श्रृंखला से, दक्षिण-पूर्व में गंगा नदी से और उत्तर पश्चिम में यमुना नदी से घिरी है, में निम्नलिखित गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाना समीचीन है:

- 1 औद्योगिक इकाइयों का स्थान निर्धारण—यह कार्य अनुबंध में बिये गये मार्ग-दर्शी मिश्रितों अथवा पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये मार्ग-दर्शी मिश्रितों के आधार पर होना चाहिए।
- 2 खनन—किसी भी खनन कार्य को आरम्भ करने से पहले केन्द्रीय पर्यावरण और वन मंत्रालय से स्वीकृति प्राप्त कर ली जाए।

3. पर्यटन—यह राज्य पर्यटन विभाग द्वारा तैयार की गई तथा इसे केन्द्रीय पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा विधिवत रूप में स्वीकृत की गई पर्यटन विकास योजना (टी.डी.पी.) के अनुसार होना चाहिए।

4. जहाई—राज्य सरकार द्वारा तैयार की जाने वाली तथा केन्द्रीय पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा विधिवत स्वीकृत की गई योजना के अनुसार।

5. भूमि उपयोग—प्रदेश के विकास को बृद्ध योजना तथा भूमि उपयोग योजना के अनुसार जिसको राज्य सरकार द्वारा तैयार किया जाए या तथा केन्द्रीय पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा स्वीकृत किया जाएगा।

पर्यावरण (संरक्षण) नियमावली, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के खंड (ख) के अधीन यह अधिसूचित किया जाता है कि यदि कोई व्यक्ति इस प्रकार के प्रतिबंध लगाए जाने के विरुद्ध कोई आपत्ति उठाना चाहता है तो वह इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में अधिसूचित होने की तारीख से 60 दिन के भीतर अपना आपक्षेप, सबिब, पर्यावरण, वन और वन्यजीव विभाग, नई दिल्ली को लिखित रूप में भेज सकता है।

[गं. जे. 20012/38/86-आई.ए.]

क. पा. गीताकुण्डन, सचिव

#### अनुबंध

दून घाटी क्षेत्र में औद्योगिक इकाइयों की अनुमति देने/प्रतिबंध लगाने के लिए मार्गदर्शी सिद्धान्त

पर्यावरणीय तथा पारिस्थितिकीय दृष्टि से दून घाटी में औद्योगिक इकाइयों को अनुमति देने/प्रतिबंध लगाने के उद्देश्य से नीचे बताए अनुसार, हरी, सनरी, और लाल श्रेणियों के अंतर्गत वर्गीकृत किया जायेगा।

#### श्रेणी हरी

4. अनुमोदित औद्योगिक क्षेत्रों में उन उद्योगों की सूची जिनपर पर्यावरण और वन मंत्रालय को भेजे बिना अनुमति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए सीधे विचार किया जा सकता है। (संदेह होने पर, पर्यावरण विभाग को संदर्भ भेजा जायेगा।)

1. सभी ऐसे गैर हानिकारक और गैर खतरनाक उद्योग जिनमें लगभग 100 व्यक्ति नियोजित हों, हानिकर तथा खतरनाक वे उद्योग हैं जो ज्वलनशील, विस्फोटक, अचकानी या विषैले पदार्थों का उपयोग कर रहे हों।

2. ऐसे सभी उद्योग जो प्रदूषण फैलाने वाले औद्योगिक बहिष्कार नियंत्रण नहीं करते हैं और जो निम्नलिखित प्रक्रिया में से किसी को नहीं करते हैं।

एनेक्डोटेलिंग

गालवेनाइजिंग

नवीचिंग

जिप्सीजिंग

फास्फेटिंग

रंगाई

पिकनिंग, बर्मशोधन

पाणिन करना

रेखा पकाना और डाइजेस्टिंग

फ्रेजिक की डिजायनिंग

खालों का विरोध, तराईतराई करना, विस्फोटन तथा बर्म-शोधन वस्त्र धुलाई

फलों और सब्जियों की सजावट, मोड़ना, रस निकालना और विवरण करना,

उपकरणों और फर्श की नियमित धुलाई,

अधिक से अधिक जमने वाले जल का प्रयोग करना।

मपेटा दूध, छाछ और दही का पानी

अनाज भराई और प्रसंस्करण करना

एल्कोहल का डिस्टिलेशन, घाती वाष्पीकरण

पशुओं को मारना/हड्डियों की रेंडरिंग,

मांस की धुलाई, गन्ने का रस निकालना,

चीनी फिट्टेशन का निकाला जाना,

मेडिफिकेशन, डिस्टिलेशन

काफ़ी बीन्स की पल्पिंग और फार्मेडिंग

मछली प्रसंस्करण

20 कि.लि. प्रतिदिन अमना से अधिक डी एम संयंत्रों में फिल्टर बेक बारी।

लुगदी तैयार करना, लुगदी प्रसंस्करण और पेपर बनाना।

क्वास्ट भट्टी फलू गैसों की कोयला धुलाई की कोकिंग।

ब्राक्साइड की स्ट्रिपिंग,

हाइड्रोलिक उल्मजैन द्वारा प्रयुक्त चदन की धुलाई

लेटेक्स घादि की धुलाई।

सालबैट निकालना।

3. ऐसे सभी उद्योग जो अपने उत्पादन प्रक्रिया या किसी सहायक प्रक्रिया में ईंधन का इस्तेमाल ही करते हैं तथा जो विसर्जित स्वरूप के प्यूजिटिव उत्सर्जनों को नहीं छोड़ते हैं।

तीन माप दृष्टों में से किसी एक को पूरा न करने वाले उद्योगों की निगरान पर्यावरण और वन मंत्रालय को भेजी जाती है।

निम्नलिखित उद्योग गैर-खतरनाक, अहितकर और गैर-प्रदूषक श्रेणी में आते हैं बशर्ते कि ये उपरोक्त तीन शर्तों को पूरा करते हों।

1. घाटा चक्कियां

2. चावल मुसली

3. बर्फ रखने के डिब्बे

4. घाल मिलें

5. मूंगफली की छाल निकालना (मुष्क)

6. द्रुत शीतन

7. कपड़े मिलाई और बस्त्र बनाना

8. वेप-भूषा बनाना

9. भूनी और उनी होजरी

10. हथकरघा से बुनाई

11. जूते के लममें बनाना

12. सोना और चांदी के धागे और साड़ी का काम

13. सोना और मोहराशगिरी

14. बमड़े के जूते और बमड़े का सामान बर्मशोधन और छाल प्रसंस्करण की छोड़कर,

15. ग्रीट स्लाम और फोटो फेम से सीमा बनाना
16. संगीत संबंधी उपकरणों का उत्पादन
17. खेल संबंधी वस्तुएं
18. बॉम और ब्रेट उत्पादन (केवल गृहक कार्य)
19. गन्ना और कागज उत्पादन (कागज और लुगदी उत्पादन को छोड़कर)
20. पुष्पकरण और अन्य छोटे-मोटे कागज (कागज और लुगदी उत्पादन को छोड़ दिया गया है)
21. वैज्ञानिक और गणितीय उपकरण
22. फर्नीचर (लकड़ी और इस्पात के)
23. घरेलू विद्युतीय उपकरणों का सज्जीकरण
24. रेडियो सज्जीकरण
25. फाउन्टेनपेन
26. एक्सट्रूजन/मोल्डिंग के जिंग्स, पॉलीथिन, प्लास्टिक और पी.वी.सी वस्तुएं
27. सज्जकल गोजेज तथा बैजेज
28. रेलवे स्लीपर (केवल वॉकॉट)
29. सूत कर्माई और बुनाई
30. रूमिंग (सूती तथा प्लास्टिक)
31. कार्पेट बुनाई
32. वाताकुलनों का सज्जीकरण
33. धातुओं से तार, एक्सट्रूडेड शेप के पारंपरिक बनावट
34. आटोमोबाइल सेवा और मरम्मत केंद्र
35. साइकिल, बच्चा-गाड़ी और अन्य छोटे-मोटे वाहनों का सज्जीकरण
36. इलेक्ट्रॉनिक उपकरण (सज्जा)
37. खिलौने
38. मोमबत्तियां
39. बर्तनगिरी-आरा मिन को छोड़कर
40. गीम भंडारण (छोट पैमाने पर)
41. रेस्तरां
42. तेल-ऑटोई/निकासना (गैर-हार्डट्रोजेनेशन और कोई परिष्करण नहीं)
43. आइस-क्रीम
44. खनिजीकृत जल
45. जाधिंग और मेयनिंग
46. इस्पात के टंकी और सूटकेमा का निर्माण
47. पेपर पित और यू-क्लिन
48. ब्लाक बनाना और मूद्रण करना
49. ऐनको के फेम

#### श्रेणी सतरी

ख. उपर्युक्त पर्यावरणीय नियंत्रण प्रबंधों के साथ उन उद्योगों की सूची जिन्हें दूध घाटी में अनुमति दी जा सकती है।

1. ऐसे सभी उद्योग जो कुछ द्रव्य बहिष्कार छोड़ते हैं (प्रतिदिन 500 किलो से कम, जिन्हें उपर्युक्त परस्व प्रौद्योगिकी से नियंत्रित किया जा सकता है।

2. ऐसे सभी उद्योग जिनमें कोयला/ईंधन की दैनिक खपत 24 मीटरी टन प्रति दिन से कम है और उपर्युक्त परस्व प्रौद्योगिकी के द्वारा उत्सर्जनों को नियंत्रित किया जा सकता है।

3. ऐसे सभी उद्योग जिनमें 500 कर्मियों से अधिक व्यक्ति रोजगार में हैं।

परखी गई प्रदूषण नियंत्रण प्रौद्योगिकी को प्रस्तावित निम्नलिखित उद्योग इस श्रेणी में आने हैं, बशर्ते कि वे उपर्युक्त तीन शर्तों को पूरा करते हों:

1. सूना उत्पादन--परखे गए प्रदूषणनियंत्रण उपाय पर निबंध निर्धारण तथा उत्खनन पर उच्चतम न्यायिक का निर्धारण
2. मुलिका-शिल्प:
3. सफाई के बर्तन
4. टायर और दूध
5. रिफ्यूज इन्साइलेशन (नियंत्रित)
6. आटा मिलें
7. वनस्पति तेल जिनमें बिलायक बर्तन तेल भी शामिल हैं
8. वाष्प कथन प्रक्रिया और सिपेटिक टिराइट फार्मूलेशन के बिना साबुन
9. वाष्प पैदा करने वाले संयंत्र
10. कार्यालय और घरेलू उपकरणों का उत्पादन जिनमें जीवाणु हानन ज्वलनशील का प्रयोग शामिल हो।
11. मशीनियरों तथा मशीन के बीजारों और उपकरणों का उत्पादन
12. औद्योगिक [गैस] (केवल नाइट्रोजन, आक्सीजन और कार्बोहाइड्रेट-आक्साइड)
13. जीवाणु हानन ज्वलनशील के उपयोग के बिना विविध कांच के बर्तन
14. ऐनको का सीना
15. प्रयोगशाला के बर्तन
16. पेट्रोलियम भंडारण एवं हस्तांतरण सुविधाएं
17. शल्य और चिकित्सा उत्पाद, जिनमें रोगितोरी और श्रोत्र उत्पाद शामिल हैं।
18. जूते (रबड़)
19. नेकरी उत्पाद, बिस्कुट और मिष्ठान
20. इस्टेट चाय/काफी, काफी प्रसंस्करण
21. मास्टेड चाय
22. बिजली से चलने वाले पंपों, कंप्रेसरों, रेफ्रिजरेटर यंत्रों, अग्नि शमन उपकरण आदि का उत्पादन,
23. तार खींचना (शीत प्रक्रिया) तथा बेला सूना
24. इस्पात के फर्नीचर, कम्पनी आदि
25. संसाधित प्लास्टिक वस्तुएं
26. चिकित्सा और शल्य उपकरण
27. प्लास्टिलीन (सिपेटिक)
28. ग्लू और गोलिंटिंग
29. पोटाशियम परमेगनेट
30. वास्तविक सीडियम

31. फोटोग्राफिक फिल्मों, पेपर और फोटोग्राफिक रसायन
32. सतही कोटिंग उद्योग
33. फ्रेमसिंस, फ्रेमरस और खाद्य भोजन
34. प्लांट न्यूट्रिबंट्स (केवल खाद)
35. धातित जल/तरम पेय

टिप्पणी :

(क) उपर्युक्त अभिविशारित सूची में आने वाले उद्योगों का मूल्यंकन राज्य प्रवृत्त निरंतरण बोर्ड द्वारा किया जाएगा और अनुपति प्रमाण पत्र देने से पहले केन्द्रीय पर्यावरण विभाग को विचारार्थ भेजे जाने चाहिए।

(ख) ईंधन का प्रयोग करने वाले कुल उद्योगों को पंडित सिंह इस घाटी में अनुमति दी जाएगी, की क्षमता प्रतिदिन 8 टन या सभी स्त्रियों से सल्फर डाई आक्साइड सीमित रखा जायेगी। (यह 1 प्रतिशत सल्फर सहित प्रतिदिन 400 टन कीयले के अनुरूप है) -

(ग) औद्योगिक क्षेत्रों का स्थान निर्धारण सुदृढ़ मापबंद परप्राप्त होना चाहिए।

#### श्रेणी सात

ग. उन उद्योगों की सूची, जिन्हें इन घाटी में प्रारम्भ नहीं की जा सकती है।

1. वे सभी उद्योग जो प्रतिदिन 500 कि. ली. से अधिक की दर से प्रवृत्त स्वरूप के बहिष्कारों का निरंतरण करते हैं और जिन्हें लिए पर्याप्त अवशोषण के लिए प्राकृतिक प्रक्रिया उपलब्ध नहीं है उन्हें उपर्युक्त औद्योगिकी के साथ नियंत्रित नहीं किया जा सकता है।

2. ऐसे सभी उद्योग, जिनमें 500 व्यक्ति प्रतिदिन से अधिक नियोजित हों।

3. ऐसे सभी उद्योग, जिनमें कोयला/ईंधन की दैनिक खपत 20 मी. टन/ 3 दिन से अधिक न हो।

ऐसा प्रतीत होता है कि विनाशकारी उद्योग अनुमानित सभी बिंदुओं द्वारा इस श्रेणी के अंतर्गत आते हैं :-

1. फेरस और नान-फेरस धातु निष्कर्षण, प्रसंस्करण बांघा बनाना, गढ़ाई सम्मिश्रण प्रसंस्करण आदि।
2. शुष्क कोयला प्रसंस्करण/बंनिज प्रसंस्करण उद्योग जैसे अवस्क सिटिंग वेरिफिकेशन पेजिटाइजेशन आदि।
3. फास्फेट राक प्रोसेसिंग संयंत्र
4. स्पात रोटरी भट्टी सहित सीमेंट संयंत्र
5. सीसा और सीसा उत्पाद जिसमें कोयले का उपयोग शामिल है।
6. पेट्रोलियम रिफाइनरी
7. पेट्रो-रसायन उद्योग
8. चिकनाई करने वाले तेल और ग्रीस का उत्पादन
9. कृत्रिम रक्त उत्पादन
10. कोयला तेल, लकड़ी या अणु आधारित नाप बिद्युत संयंत्र

11. औद्योगिक प्रयोजनों के लिए बल्ब, हाइड्रोजेनेटेड बल्ब, तेल
12. चीनी मिर्च (मकंद और खाद्यकारी)
13. बस्कारी पेपर मिलें,
14. कोक ओवन बाई प्रोडक्शन एंड कोल्डर डिस्टिलिंग पाइकट्स
15. क्षारीयता
16. कास्टिक सांडा
17. पोटाश
18. इलेक्ट्रो-थर्मल उत्पाद (कृत्रिम अवशरण कैल्शियम कार्बाइड आदि)
19. फास्फोरस और इन्के मिश्रण
20. अम्ल और उनके लवण (कार्बोनाट और प्रोपेनोएट)
21. नाइट्रोजन मिश्रण (सुईडॉक, माइनाइडाइम और अन्य नाइट्रोजन मिश्रण)
22. विस्कोस (जिसमें औद्योगिक विस्कोस, माइल और प्लू) शामिल है।
23. केमिक एन्हाइमराइड
24. प्रक्रियाएं, जिनमें क्लोरोटेड हाईड्रोकार्बन शामिल हैं।
25. क्लोरोसिलेन, ब्रोमोसिलेन, आयोडोसिलेन और उनके मिश्रण
26. उर्वरक उद्योग
27. पेपर बोर्ड और स्ट्रॉ बांड
28. कृत्रिम रेशम,
29. कीटनाशी दवाइयां, फफूंदनाशी, शाकनाशी तथा जीवनाशी (मूल उत्पादन एवं सैयार करना)
30. बुनियादी तमोली औषधियां
31. ऐलकाहल (औद्योगिक और पेय)
32. चमड़ा उद्योग और जिनमें चर्मोद्योग और प्रसंस्करण शामिल है।
33. कोक सैयार करना, कार्बन परिष्कार और ईंधन गैस सैयार करने वाले उद्योग
34. फाइबर सीमा उत्पादन और प्रसंस्करण
35. लुमिनेस्केंट लुब्रीकैंट्स और रसायन (जिनमें घृतनीय लुब्रीकैंट शामिल है)
36. रंग प्रवर रंगार और उनके सम्बन्धी
37. औद्योगिक कार्बन (ग्रेफाइट, एनैस्ट्रोइव, एमोल्स मिज्ड एलक्यूडम ग्रेफाइट ब्लाक, ग्रेफाइट कृत्रिम, गैस कार्बन एक्टिवेटेड कार्बन, कृत्रिम हीरे, कार्बन काला, चैकल काला, लैक काला आदि सहित)
38. इलेक्ट्रो-रसायन (क्षारीय समूह के अवर्तन आने वालों को छोड़कर)
39. रंग, एनमेल्स और बानिज
40. पोलिप्रोपलीन
11. पॉली विनेल क्लोराइड
12. प्रवृत्त निरंतरण पर परख औद्योगिकी की लखित प्रमाणन बटिकल शास्य भट्टा औद्योगिकी सहित सीमेंट)
43. क्लोरोडम, परक्लोरोडम तथा पोगेनराइड
44. पालिश
45. कृत्रिम राल और प्लास्टिक उत्पाद।

## DEPARTMENT OF ENVIRONMENT,

## FORESTS AND WILDLIFE

New Delhi, the 6th October, 1986

**NOTIFICATION UNDER SECTION 3(2) (v) of Environment (Protection) Act, 1986 and Rule 5 (3) (a) of Environment (Protection) Rules, 1986, restricting location of industries, mining operations and other developmental activities in the Doon Valley in Uttar Pradesh**

**S.O. 923 (E).**—Whereas considerable environmental degradation has taken place in the Doon Valley in Uttar Pradesh on account of industrialisation, mining operations, deforestation, unrestricted tourism activities, excessive grazing etc. ;

Whereas to lay down guidelines for environmental management and to ensure that economic development of the Doon Valley is achieved with minimum ecological disturbances, the Central Government had constituted Doon Valley Board in August 1981, and whereas the Board in its 6th meeting had recommended that the Doon Valley should be declared as ecologically fragile area and consideration of issue Notification under section 3(2) (v) of Environment (Protection) Act, 1986, for prohibiting/restricting certain activities which have detrimental effect on the environment.

Now, therefore, considering the fragile eco-systems of the Doon Valley and to ensure that development activities are consistent with principles of environmental conservation, it appears to the Central Government that it is expedient to impose restrictions under clause (v), sub-section (2) of section 3 of Environment (Protection) Act, 1986 on the following activities in the Doon Valley, bounded on the north by Mussorie ridge line, in the north-east by Lesser Himalayan ranges, on the South-West by Shivalik ranges, river Ganga in the South-East and river Yamuna in the North-West :

- (i) Location/siting of industrial units—It has to be as per guidelines given in the annexure or guidelines as may be issued from time to time by the Ministry of Environment & Forests, Government of India.
- (ii) Mining—Approval of the Union Ministry of Environment and Forests must be obtained before starting any mining activity.
- (iii) Tourism—It should be as per Tourism Development Plan (TDP), to be prepared by the State Department of Tourism and duly approved by the Union Ministry of Environment and Forests.
- (iv) Grazing—As per the plan to be prepared by the State Government and duly approved by the Union Ministry of Environment & Forests.
- (v) Land Use—As per Master Plan of development and Land Use Plan of the entire area, to be prepared by the State Government and approved by the Union Ministry of Environment & Forests.

It is notified under clause (b), sub-rule (3) of rule 5 of Environment (Protection) Rules, 1986, that any person interested in filing an objection against the imposition of such restriction may do so in writing to the Secretary, Department of Environment, Forests and Wildlife, New Delhi, within sixty days from the date of publication of this notification in the official Gazette.

[No. J. 20012/38/86-1A]

K. P. GEETHAKRISHNAN, Secy.

# GUIDELINES FOR PERMITTING/RESTRICTING INDUSTRIAL UNITS IN THE DOON VALLEY AREA

Industries will be classified under Green Orange and Red Categories, as shown below for purposes of permitting/restricting such industrial units in the Doon Valley from the environmental and ecological consideration.

## CATEGORY GREEN

**A. LIST OF INDUSTRIES IN APPROVED INDUSTRIAL AREAS WHICH MAY BE DIRECTLY CONSIDERED FOR ISSUE OF NO OBJECTION CERTIFICATE WITHOUT REFERRING TO (MINISTRY OF ENVIRONMENT & FORESTS) (IN CASE OF DOUBTS REFERENCE WILL BE MADE TO DOON.)**

1. All such non-obnoxious and non-hazardous industries employing upto 100 persons, the abnoxious and hazardous industries are those using inflammable, explosive, corrosive or toxic substances.

2. All such industries which do not discharge industrial effluents of a polluting nature and which do not undertake any of the following processes :

Electroplating  
Galvanizing  
Bleaching  
Degreasing  
Phosphating  
Dyeing  
Pickling, tanning  
Polishing  
Cooking of fibers and Digesting hides  
Desizing of Fabric  
Unhairing, Soaking, deliming and bating of Washing of fabric  
Washing of fabric  
Trimming, pulling, juicing and blanching of fruits and Vegetables  
Washing of equipment and regular floor washing, using of considerable cooling water.  
Separated milk, butter milk and whey



Stopping and processing of grain  
 Distillation of alcohol, stillage evaporation  
 Slaughtering of animals, rendering of bones, washing of meat  
 Juicing of Sugar cane, extraction of sugar  
 Filtration, centrifugation, distillation  
 Pulping and fermenting of coffee beans  
 Processing of fish  
 Filter back wash in D. M. Plants exceeding 20 k. l per day capacity  
 Pulp making, pulp processing and paper making  
 Coking of coal washing of blast furnace flue gases ;  
 Stripping of oxides ;  
 Washing of used sand by hydraulic discharge  
 Washing of latex etc.  
 Solvent extraction.

3. All such industries which do not use fuel in their manufacturing process or in any subsidiary process and which do not emit fugitive emissions of a diffused nature.

Industries not satisfying any one of the three criteria are recommended to be referred to Ministry of Environment & Forests.

The following industries appear to fall in non-hazardous, non-obnoxious and non-polluting category, subject to fulfilment of above three conditions :

1. Atta-chakkies.
2. Rice Mullors.
3. Iceboxes.
4. Dal Mills.
5. Groundnut decorticating (dry).
6. Chilling.
7. Tailoring and garment making.
8. Apparel making
9. Cotton and woollen Hosiery.
10. Handloom weaving.
11. Shoe lace manufacturing.
12. Gold and silver thread and sari work
13. Gold and silver smithy.
14. Leather foot wear and leather products excluding tanning & hide processing.
15. Manufacture of mirror from glass and photo frame.
16. Musical instruments manufacturing.

17. Sports goods.
18. Bamboo and cane products (only dry operations).
19. Card Board and paper products (Paper & pulp manufacture excluded).
20. Insulation and other coated papers (Paper & pulp manufacture excluded).
21. Scientific and Mathematical instruments.
22. Furniture (Wooden and Steel).
23. Assembly of Domestic electrical appliances
24. Radio assembling.
25. Fountain pens.
26. Polythene, plastic and P. V. C. goods through extrusion/moulding.
27. Surgical gauges and bandages.
28. Railway sleepers (only concrete).
29. Cotton spinning and weaving.
30. Rope (cotton and plastic).
31. Carpet weaving.
32. Assembly of Air coolers.
33. Wires, pipes-extruded shapes from metals.
34. Automobile servicing & repair stations.
35. Assembly of Bicycles, baby carriages and other small non-motorized vehicles.
36. Electronics equipment (assembly).
37. Toys.
38. Candles.
39. Carpentry—excluding saw mill.
40. Cold Storages (small scale).
41. Restaurants.
42. Oil-ginning[expelling (no-hydrogenation and no refining).
43. Ice cream.
44. Mineralized water.
45. Jobbing & machining.
46. Manufacture of steel trunks & suitcases.
47. Paper pins & U-clips.
48. Block making for printing.
49. Optical frames.

#### CATEGORY ORANGE

#### B. LIST OF INDUSTRIES THAT CAN BE PERMITTED IN THE DOON VALLEY WITH PROPER ENVIRONMENTAL CONTROL ARRANGEMENTS

1. All such industries which discharge some liquid effluents (below 500 kl/day) that can be controlled with suitable proven technology.

2. All such industries in which the daily consumption of coal/fuel is less than 24 mt/day and the particulate emissions from which can be controlled with suitable proven technology.

3. All such industries employing not more than 500 persons.

The following industries with adoption of proven pollution control technology subject to fulfilling the above three condition fall under this category :

1. Lime manufacture-pending decision on proven pollution control device and Supreme Court's decision on quarrying.
2. Ceramics
3. Sanitary-ware;
4. Tyres and tubes
5. Refuse incineration (controlled)
6. Flour mills;
7. Vegetable oils including solvent extracted oils;
8. Soap without steam boiling process and synthetic detergents formulation.
9. Steam generating plants.
10. Manufacture of office and house-hold equipment and appliances involving use of fossil fuel combustion.
11. Manufacture of machineries and machine tools and equipment.
12. Industrial gases (only Nitrogen, Oxygen and Co<sub>2</sub>)
13. Miscellaneous glassware without involving use of fossil-fuel combustion.
14. Optical glass
15. Laboratory ware.
16. Petroleum storage & transfer facilities.
17. Surgical and medical products including prophylactics and latex products.
18. Foot-wear (Rubber) .
19. Bakery products, Biscuits & Confectioners.
20. Instant tea/coffee; coffee processing.
21. Malted food.
22. Manufacture of power driven pumps, compressors, refrigeration units, fire fighting equipment etc.
23. Wire drawing (cold process) & bailing straps.
24. Steel furniture, fasteners etc.
25. Plastic processed goods.
26. Medical & Surgical instruments.
27. Acetylene (synthetic) .
28. Glue & gelatine.
29. Potassium permanganate.

30. Metallic sodium.

31. Photographic films, papers & photographic chemicals.

32. Surface coating industries.

33. Fragrances, fragours & food additives.

34. Plant nutrients (only manure).

35. Aerated water/soft drink.

#### NOTE :-

(a) Industries falling within the above identified list shall be assessed by the state pollution control Board and referred to the Union Department of Environment for consideration, before according No Objection Certificate.

(b) The total number of fuel burning industries that shall be permitted in the Valley will be limited by 8 tonnes per day or Sulphur Dioxide from all sources, (This corresponds to 400 tonnes per day Coal with 1 per cent sulphur.) .

(c) Siting of Industrial areas should be based on sound criteria.

#### CATEGORY RED

#### C. LIST OF INDUSTRIES THAT CANNOT BE PERMITTED IN THE DOON VALLEY

1. All those industries which discharge effluents a polluting nature at the rate of more than 500 kl/day and for which the natural course for sufficient dilution is not available, and effluents from which can not be controlled with suitable technology.

2. All such industries employing more than 500 persons/day.

3. All such industries in which the daily consumption of coal/fuel is more than 24 mt/day.

The following industries appear to fall under this category covered by all the points as above.

1. Ferrous and non-ferrous metal extraction, refining, casting forging alloy making processing etc.
2. Dry Coal Processing/Mineral processing industries like Ore sintering beneficiation, pelletization etc.
3. Phosphate rock processing plants.
4. Cement plants with horizontal rotary kilns.
5. Glass and glass products involving use of coal.
6. Petroleum refinery.
7. Petro-chemical Industries.
8. Manufacture of lubricating oils and greases.
9. Synthetic rubber manufacture;
10. Coal, oil, wood or nuclear based thermal power plants.

11. Vanaspati, hydrogenated vegetable oils for industrial purposes.
12. Sugar Mills (White and Khajurasi).
13. Craft paper mills.
14. Coke oven by products and coal tar distillation products.
15. Alkalies.
16. Caustic soda.
17. Potash.
18. Electro-thermal products (artificial abrasives, Calcium carbide etc.)
19. Phosphorous and its compounds.
20. Acids and their salts (organic & inorganic).
21. Nitrogen compounds (Cyanides, cyanamides and other nitrogen compounds).
22. Explosive (including industrial explosives, detonators & fuses).
23. Phthalic anhydride.
24. Processes involving chlorinated hydrocarbon.
25. Chlorine, fluorine, bromine, iodine & their compounds.
26. Fertilizer industry.
27. Paper board and straw boards.
28. Synthetic fibres.
29. Insecticides, fungicides, herbicides & pesticides (basis manufacture & formulation).
30. Basic drugs.
31. Alcohol (Industrial or potable).
32. Leather industry including tanning and processing.
33. Coke making, coal liquification and fuel gas making industries.
34. Fibre glass production and processing.
35. Manufacture of pulp-wood pulp; mechanical or chemical (including dissolving pulp).
36. Pigment dyes and their intermediates.
37. Industrial carbons (including graphite electrodes, anodes, midjet electrodes, graphite blocks, graphite crucibles, gas carbons, activated carbon, synthetic diamonds, carbon black, channel black, lamp black etc.)
38. Electro-Chemicals (other than those covered under Alkali group).
39. Paints, enamels & varnishes.
40. Poly propylene.
41. Poly Vinyl chloride.
42. Cement with vertical shaft kiln technology pending certification of proven technology on pollution control.
43. Chlorates, perchlorates & peroxides.
44. Polishes.
45. Synthetic resin & plastic products.